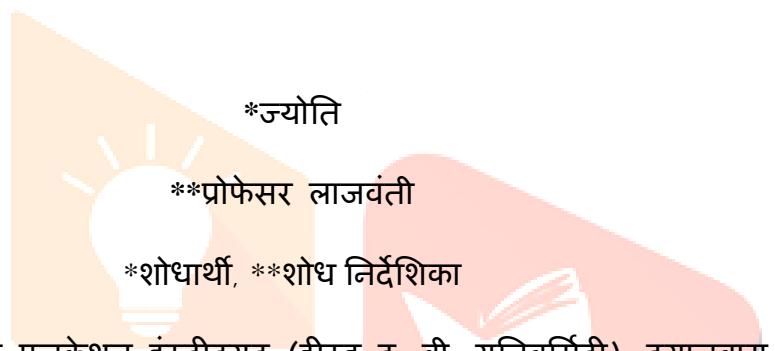




पाठ्यक्रम सुधारों के माध्यम से रचनात्मक, आलोचनात्मक सोच और उधमशीलता को बढ़ावा देने पर अध्ययन



शिक्षा संकाय दयालबाग एजुकेशन इंस्टीट्यूट (डीम्ड टू. बी. यूनिवर्सिटी), दयालबाग, आगरा,

सार

पाठ्यक्रम सुधारों के माध्यम से रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और उधमशीलता को बढ़ावा देती है जो उन्हें विकल्प, विचारों और संभावनाओं को उत्पन्न करने या जानने की प्रवृत्ति को विकसित करने के लिए आवश्यक है, क्योंकि इसकी सहायता से बच्चों का शारीरिक, मानसिक विकास किया जा सकता है, जैसे शीघ्र सोचना और समस्याओं को एक नवीन तरीके से हल करना, यह कल्पनाशील और मूल विचारों को वास्तविकता में परिवर्तन करती है, जो छात्रों में आलोचनात्मक सोच और उधमशीलता को बढ़ाने के लिए सहायक है। इसके माध्यम से छात्रों में ज्ञान की प्रवृत्ति का विकास होता है। आलोचनात्मक सोच न केवल उधमशीलता के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ी हुई है, बल्कि यह अन्य उधमशीलताकौशल/क्षमताओं में महारत हासिल करने के लिए एक मेटा कौशल है। पाठ्यक्रम में सुधार करके रचनात्मकता को बढ़ावा देने के लिए, शिक्षा में नवाचार और कल्पना को प्रोत्साहित करने के लिए, छात्रों को स्वतंत्र अन्वेषण और स्व-निर्देशित सीखने की अनुमति देनी चाहिए, शिक्षकों को संसाधन और मार्गदर्शन प्रदान करना चाहिए, और रचनात्मकता को बढ़ावा देने वाले शिक्षण विधियों को शामिल करना चाहिए। सफल उद्यमियों को न केवल उद्यमिता प्रक्रियाओं में संलग्न होना पड़ता है- एक विचार को व्यवसाय में बदलने के लिए ज्ञान और कौशल उन्हें एक उद्यमी मानसिकता की भी आवश्यकता होती है जो समस्याओं और समाधानों की तलाश करती है। इन दोनों तत्वों के लिए आलोचनात्मक सोच महत्वपूर्ण है। उद्यमी यात्रा के दौरान ए ग्राहक खोज

से लेकर विचार निर्माण तक, व्यवसाय मॉडल नवाचार और उससे आगे, इन जटिल कार्यों को सार्थक, उपयोगी तरीके से करने के लिए आलोचनात्मक सोच कौशल आवश्यक हैं।

संकेत शब्द :- रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच, उधमशीलता, वास्तविकता।

प्रस्तावना—

उद्यमिता में शिक्षा उन व्यक्तियों के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है जो सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुभव के मिश्रण के साथ एक संरचित दृष्टिकोण रखने में रुचि रखते हैं। यहाँ एक लेख है जो कौशल में महारत हासिल करने और अपनी उद्यमशीलता की यात्रा में सफल होने के इच्छुक लोगों के लिए उपलब्ध शैक्षिक विकल्पों की खोज करता है।

सफल उद्यमियों के लिए प्रमुख कौशल

कौशल के संयोजन की आवश्यकता है जिसे व्यापक रूप से व्यक्तिगत ए पारस्परिक व्यावसायिक कौशल में वर्गीकृत किया जाता है जो सफल उद्यमिता के लिए मार्ग प्रशस्त करते हैं। इन कौशलों को निखारने से एक स्थायी और सफल व्यवसाय बनाने की संभावना बढ़ सकती है। सफल उद्यमिता के लिए निम्नलिखित प्रमुख आवश्यक कौशल हैं।

1. **व्यक्तिगत कौशल-** असफलताओं से उबरने और चुनौतियों के बावजूद आगे बढ़ते रहने के लिए लचीलापन विकसित करें। बाहरी प्रोत्साहन के बिना व्यावसायिक गतिविधियों को शुरू करने और जारी रखने के लिए स्वयं प्रेरित रहें। समस्याओं को सुलझाने और नए विचारों या उत्पादों को विकसित करने में वर्तमान नवीनता के साथ जुड़े रहने के लिए रचनात्मकता को निखारें। गणना के आधार पर जोखिम उठाने और व्यावसायिक लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए जोखिम लेने का रवैया अपनाएं। बदलती परिस्थितियों के अनुसार अनुकूलन एवं समायोजन करने के लिए लचीला बनें तथा आवश्यकता पड़ने पर निर्णायक बदलाव करें।

2. **पारस्परिक कौशल-** एक सामान्य लक्ष्य और संगठनात्मक सफलता के लिए दूसरों को प्रेरित ए प्रोत्साहित और मार्गदर्शन करने के लिए नेतृत्व लक्ष्य निर्धारित करें। विचारों को स्पष्ट रूप से व्यक्त करने और अधीनस्थों को सामान्य लक्ष्य के लिए राजी करने के लिए मौखिक और लिखित संचार कौशल में प्रभावी बनें। दूसरों के साथ पारस्परिक रूप से लाभकारी समझौते तक पहुंचने के लिए बातचीत कौशल को निखारें। ग्राहकोंनिवेशकोंसाझेदारों और अन्य हितधारकों के साथ नेटवर्किंग बनाएं और संबंध बनाए रखें। एक सुसंगत और उत्पादक टीम के भीतर कर्मचारियों की भर्तीए विकासए प्रबंधन और तैनाती के लिए टीम का निर्माण करें।

3. **व्यावसायिक कौशल-** बजट, वित्तीय योजना और वित्तीय रिपोर्टिंग के महत्व को समझने के लिए वित्तीय प्रबंधन में ज्ञान और समझदारी रखें। उत्पादों या सेवाओं को प्रभावी ढंग से बढ़ावा देने और बेचने के लिए विपणन और बिक्री ज्ञान से अपडेट रहें। दीर्घकालिक लक्ष्य निर्धारित करने और कार्यान्वयन योग्य योजनाएँ विकसित करने के लिए रणनीतिक योजना तैयार करने में सक्षम होना। दिन-प्रतिदिन के व्यावसायिक परिचालनों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने के लिए परिचालन प्रबंधन में कौशल को निखारना।

4. अतिरिक्त कौशल- समय प्रबंधन में दक्ष बनेंए समय का कुशलतापूर्वक प्रबंधन करें तथा उत्पादकता को अधिकतम करने के लिए कार्यों को प्राथमिकता दें,जिससे समग्र संगठनात्मक सफलता प्राप्त हो। डेटा का विश्लेषण करने,प्रवृत्तियों की पहचान करने और सूचित निर्णय लेने के लिए विश्लेषणात्मक सोच को अपनाएं। समस्याओं की पहचान करने और प्रभावी समाधान खोजने के लिए समस्या-समाधान कौशल सीखें। तकनीकी कौशल,नवीन प्रौद्योगिकियों,उपकरणों और उद्योग में उभरते नवाचार में कुशल बनें।

भारत सरकार ने हाल ही में युवा पीढ़ी को सशक्त बनाने के लिए कौशल विकास और उद्यमिता के लिए पहली राष्ट्रीय नीति का अनावरण किया है। इस नीति का उद्देश्य उद्यमियों के विकास के लिए विभिन्न सहायता प्रदान करना है जो नौकरी की वृद्धि को बढ़ावा देंगे और "कुशल भारत" बनाने के लिए कुशल कार्यबल के विकास के लिए काम करेंगे। इस लेख में, हम मुख्य रूप से कौशल विकास और उद्यमिता नीतिके माध्यम से उद्यमिता के लिए दिए गए समर्थन पर नज़र डालेंगे। रचनात्मकता उद्यमियों के लिए एक अपरिहार्य गुण है। यह विचार निर्माण, अवसर पहचान, समस्या समाधान, नवाचार और विभेदीकरण को प्रेरित करता है। रचनात्मक उद्यमी जोखिम को स्वीकार करते हैं, प्रभावी ढंग से संवाद करते हैं और लगातार सीखते और अनुकूलन करते हैं। अपनी रचनात्मकता का उपयोग करके उद्यमी चुनौतियों का सामना कर सकते हैं, अवसरों का लाभ उठा सकते हैं, नए समाधान बना सकते हैं और सफल और प्रभावशाली उद्यम बना सकते हैं।

लेकिन रचनात्मकता सिर्फ उद्यमियों को बिज़नेस आइडिया के शुरुआती चरणों में ही मदद नहीं करती। रचनात्मकता एक प्रेरक शक्ति भी होगी और निम्न मामलों में भी बेहद मूल्यवान होगी:

- ब्रांडिंग और मार्केटिंग के विचार सामने लाना
- ब्लॉग अन्य SEO संबंधित सामग्री के लिए रचनात्मक विचार
- रोज़मर्रा की व्यावसायिक समस्याओं के लिए रचनात्मक समाधान खोजना
- मजेदार और रोमांचक सोशल मीडिया रणनीतियाँ
- ऐखिक और पार्श्व सोच का एक अच्छा संतुलन

इसलिए उद्यमिता शिक्षा में आलोचनात्मक चिंतन कौशल को शामिल किया जाना चाहिए और सौभाग्य से व्यवसाय शुरू करने की जटिल प्रकृति आलोचनात्मक चिंतन सिखाने के लिए एकदम उपयुक्त विषय है।

1. छात्रों को अपने स्वयं के निर्णय लेने की जांच करने के लिए प्रोत्साहित करें

उद्देश्यपूर्ण और जानबूझकर सवाल पूछने से छात्रों को उत्तर जानने के लिए अपने आलोचनात्मक सोच कौशल को विकसित करने के लिए प्रेरित किया जाता है। अपने आविष्कार के हजारों साल बाद भी, सुकराती पद्धति अभी भी काम करती है। विशेष रूप से छात्रों से उनके विचारों को स्पष्ट करने, अपने स्वयं के तर्क की जांच करने और एक जटिल परियोजना पर काम करते समय विभिन्न दृष्टिकोणों पर विचार करने के लिए कहें। उद्यमिता में विसंगतियों की पहचान करने और मान्यताओं पर सवाल उठाने में सक्षम होना प्रक्रिया के लिए आवश्यक है और इससे छात्रों के निर्णय लेने के कौशल में सुधार होगा। आप उनसे जो सवाल पूछते हैं, वे वही सवाल बन जाते हैं जो वे खुद से पूछना सीखते हैं।

2. निर्देशित रोल-प्ले गतिविधियों के माध्यम से तर्क सिखाएं

समूह चर्चा और वाद-विवाद सबसे आम तरीके हैं जिनसे चिंतन और तर्क-वितर्क किया जाता है। छात्रों से उनके विचार और प्रतिक्रियाएँ व्यक्त करने और तार्किक तर्क बनाने के लिए कहा जाता है। कक्षा में दिखाया जाता है। लेकिन ये आलोचनात्मक सोच सिखाने के लिए अत्यधिक लचीले उपकरण हैं और इन्हें कई अलग-अलग स्वरूपों में व्यवहार में लाया जा सकता है: मौखिक या लिखितव्यक्तिगत रूप से या समूहों मेंप्रशिक्षकों के नेतृत्व में या छात्रों के नेतृत्व मेंया स्वयं या साथियों के मूल्यांकन के रूप में। उद्यमिता कक्षाओं मेंजब आप छात्रों से एक-दूसरे के विचारों और परियोजनाओं का मूल्यांकन करने के लिए कहते हैंतो चिंतन और तर्क-वितर्क को भूमिका-निभाने के साथ संयोजित करने पर विचार करें। संरचित चिंतन और तर्क-वितर्क को सुविधाजनक बनाने के लिए बोनो के सिक्स हैट्स और अन्य भूमिका निभाने वाले परिदृश्यों जैसे उपकरणों को आजमाएँ। भूमिका निभाने से तर्क-वितर्क या आलोचनाएँ अधिक मज़ेदारकम टकरावपूर्ण और छात्रों के लिए संलग्न होने और सीखने में आसान हो सकती हैं।

3. समस्या- और परियोजना-आधारित शिक्षा में गहराई से उतरें

उद्यमिता शिक्षा के लिए सक्रिय शिक्षण महत्वपूर्ण है, और यह आलोचनात्मक सोच सिखाने के लिए एक शक्तिशाली उपकरण है। जैसा कि लेखक लिखते हैं “आलोचनात्मक सोच कौशल को स्पष्ट रूप से आलोचनात्मक सोच का परिचय दिए बिना विचारोत्तेजक विषय वस्तु के साथ बातचीत करके और उसके बारे में सीखकर विकसित किया जा सकता है।” जब छात्र किसी व्यावहारिक वास्तविक दुनिया की उद्यमिता परियोजना या समस्या से जुड़ते हैं, तो कार्य की जटिलता यह मांग करती है कि वे सफल होने के लिए आलोचनात्मक सोच लागू करें।

4. केस स्टडीज़ की मदद से व्यवसाय निर्माण की जटिलता को सुलझाएँ

वास्तविक दुनिया के व्यावसायिक परिदृश्यों को कई दृष्टिकोणों और दुविधाओं के साथ प्रस्तुत करकेकेस स्टडी छात्रों को जटिल स्थितियों का विश्लेषण करने की अनुमति देती है। आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ाने के लिएछात्रों से मामले के प्रमुख पहलुओं की पहचान करनेविभिन्न दृष्टिकोणों पर विचार करने और विकल्पों और परिणामों का मूल्यांकन करने के लिए कहें। छात्रों को उनकी विश्लेषणात्मक प्रक्रियाओं पर चिंतन करने के लिए प्रोत्साहित करने वाली चर्चाओं का आयोजन करके इन कौशलों को और भी आगे बढ़ाएँ।

5. वर्चुअल सिमुलेशन के माध्यम से अनुभवात्मक शिक्षा प्रदान करें

वास्तविक दुनिया के व्यावसायिक परिदृश्यों का अनुकरण करने की उनकी क्षमता के कारण उद्यमिता शिक्षा में सिमुलेशन और इंटरैक्टिव गेम तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। वे कई निर्णय मार्ग और अप्रत्याशित घटनाएँ प्रदान करते हैं और वे छात्रों को विभिन्न रणनीतियों का पता लगाने और उनके विकल्पों के परिणामों को देखने की अनुमति देते हैं। ये गतिशीलइमर्सिव लर्निंग वातावरण आलोचनात्मक सोच को उत्तेजित करते हैं। ऐसे खेल जिनमें भूमिका निभाना और रणनीतिक निर्णय लेना शामिल है, वे आलोचनात्मक सोच कौशल को बढ़ावा देने में विशेष रूप से प्रभावी हैं।

6.छात्रों को उनके कौशल निर्माण के लिए सलाहकारों से जोड़ें

अनुभवात्मक शिक्षा और उद्यमिता में मैंटर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे मार्गदर्शनप्रतिक्रिया और रचनात्मक आलोचना प्रदान करके छात्रों को उनके अनुभवों को आत्मसात करने में मदद करते हैं और फिर समस्या-समाधान और निर्णय लेने के कौशल को बढ़ाता है। उद्यमिता शिक्षा में ए मैंटरशिप को अक्सर छात्र प्रतियोगिताओं इनकम्यूबेटर और एक्सेलरेटर जैसी पाठ्ययेर गतिविधियों से जोड़ा जाता है। इन सेटिंग्स में या मैंटर के साथ कक्षा-आधारित अनुभवात्मक शिक्षण परियोजनाओं में मैंटर छात्रों को नए विचारों का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और रचनात्मक आलोचना के माध्यम से वास्तविकता की जाँच भी करते हैं। मैंटर छात्रों को ध्यान केंद्रित करने और अपने कौशल को प्रभावी ढंग से विकसित करने में मदद करते हैं।

7.आलोचनात्मक ढंग से सोचने की क्षमता

आलोचनात्मक सोचबेशककेवल उद्यमिता में ही उपयोगी नहीं है। एक बार सीख लेने के बाद आलोचनात्मक सोच की आदतें किसी भी प्रयास ए किसी भी समस्या पर लागू की जा सकती हैं। उद्यमिता सिखाने के लिए आलोचनात्मक सोच सिखाना ज़रूरी है सफल उद्यमी हर दिन इन कौशलों का उपयोग करेंगे क्योंकि उन्हें अप्रत्याशित परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और अपूर्ण परिस्थितियों में महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए कहा जाता है।

निष्कर्ष

छात्र पहले से सीखी गई सामग्री से पूर्व ज्ञान का उपयोग वर्तमान विषयों से संबंध बनाने के लिए कर सकते हैं। यदि छात्र जो पहले से जानते हैं उस पर काम कर सकते हैं और इसे वर्तमान में सीखी जा रही चीज़ों पर लागू कर सकते हैं तो इससे उन्हें कनेक्शन देखने के साथ-साथ नवीनतम जानकारी का विक्षेपण करने में मदद मिल सकती है। छात्र समस्याओं को हल करने के लिए पीछे की ओर भी काम कर सकते हैं। छात्रों के आलोचनात्मक सोच कौशल को विकसित करने का एक और तरीका है पाठ में सक्रिय भागीदार बनना और सहयोग करने में मदद करना। यदि कोई शिक्षक ऐसा माहौल बना सकता है जहाँ छात्र एक साथ काम करते हैं सीखने में भाग लेते हैं और एक-दूसरे से सीखते हैं तो छात्र इन कौशलों को विकसित करना शुरू कर सकते हैं। उद्यमिता आलोचनात्मक सोच सिखाने का एक बेहतरीन ज़रिया है। उद्यमिता की कक्षा में हर छात्र एक कंपनी नहीं खोल पायेगा लेकिन हर एक छात्र को इस चुनौतीपूर्ण और आकर्षक सामग्री पर आलोचनात्मक सोच सीखने और अपने आलोचनात्मक सोच कौशल को निखारने से लाभ होगा।